

दुर्मुट-दुर्मुस पुं. (तत्.) दे. दुरमुट।

दुर्मुहूर्त पुं. (तत्.) खराब मुहूर्त, अशुभ मुहूर्त।

दुर्मेधा वि. (तत्.) मंदबुद्धि, कुबुद्धि।

दुर्मोह पुं. (तत्.) 1. सफेद घुंघुची का फल 2. काकतुंडम्, कौआठोठी 2. दुःखदायी मोह।

दुर्योग पुं. (तत्.) यौ. 1. ग्रहों के मिलने से बनने वाला बुरा योग, ग्रहों का बुरा योग 2. खराब घड़ी का आ जाना।

दुर्योधन पुं. (तत्.) धृतराष्ट्र और गांधारी का ज्येष्ठ पुत्र, कौरवों का अग्रज वि. भयंकर युद्ध डटकर लड़ने वाला, अपराजेय।

दुरानी पुं. (फा.) कानों में दूर अर्थात् मोती का बून्दा पहनने वाले पठानों/अफगानों की एक जाति जो कंधार के समीप बसी है या उस जाति का व्यक्ति।

दुर्लभ्य वि. (तत्.) जिसे लांघा न जा सके या पार न किया जा सके, जिसे पार करना संभव न हो, दुस्तर।

दुर्लक्ष्य वि. (तत्.) जो कठिनाई से देखा जा सके पुं. बुरा लक्ष्य, बुरा उद्देश्य।

दुर्लभ वि. (तत्.) 1. कठिनता से पाने योग्य, जिसके मिलने की संभावना बहुत कम हो, विरल 2. श्रेष्ठ, सर्वोत्तम 3. अनुपम 4. मूल्यवान।

दुर्लभ धातु स्त्री. (तत्.) प्रकृति में अत्यल्प मात्रा में पाई जाने वाली तथा व्यापारिक दृष्टि से बहुत खर्च करके निकाली गई बहुमूल्य धातुएँ।
rare metal

दुर्लभ मुद्रा स्त्री. (अर्थ.) वह मुद्रा जिसकी दूसरे देशों से पूर्ति की अपेक्षा माँग अधिक हो बिलो. सुलभ मुद्रा। hard currency

दुर्लभ-मृदाएँ स्त्री. (तत्.) विरल रूप में पाए जाने वाली 15 धात्विक तत्वों का सामूहिक नाम।
rare earths

दुर्ललित वि. (तत्.) जो अधिक लाड़-प्यार में पला हो, प्यार से बिगड़ैल, जो अच्छे रंग-ढंग वाला न हो, मनमानी करने वाला, नटखट, हठी, उद्धत।

दुर्लेख्य पुं. (तत्.) जाली रूप में लिखा गया प्रलेख, गैर-कानूनी दस्तावेज वि. जिसकी लिखावट इतनी बुरी हो कि पढ़ी न जा सके।

दुआर पुं. (तत्.) 1. घर के अंदर प्रवेश का मार्ग, द्वार 2. देहली, दहलीज 3. दरवाजे के सामने का खुला स्थान।

दुरंगम पुं. (तत्.) दे. दूरगामी।

दुर्वृत्ति स्त्री. (तत्.) 1. बुरी वृत्ति (आजीविका) 2. दुराचरण 3. धोखा, छल, कपट।

दुर्वह वि. (तत्.) 1. जिसे ढोना या साथ ले जाना कठिन हो, बहुत भारी 2. जिसे बरदाश्त न किया जा सके, दुस्सह, असह्य।

दुर्वाच्य वि. (तत्.) 1. (ऐसे शब्द) जो बोलने में अशोभनीय हो, गाली भरे (वचन) 2. (ऐसे शब्द) जो उच्चारण करने में कठिन हों, दुष्पाठ्य कार्या. ऐसी (लिखावट) जो पढ़ी (बाँची) न जा सके।

दुर्वार्य पुं. (तत्.) दे. दुर्वार।

दुर्वार वि. (तत्.) जिससे बचना कठिन हो, जिसे रोकना या टालना कठिन हो, जिसे शांत या निष्क्रिय/निष्फल करना कठिन हो।

दुर्वारण पुं. (तत्.) दे. दुर्वार।

दुर्वासना स्त्री. (तत्.) बुरी वासना, चित्त की बुरी वृत्ति, कुसंस्कार के कारण जाग्रत बुरी इच्छाएँ।

दुर्वासा पुं. (तत्.) 1. जिसके वस्त्र स्वच्छ या व्यवस्थित न हों 2. जिसे वस्त्र प्राप्त न हुए हों, नग्न, दिगंबर 3. एक महाक्रोधी ऋषि जो अत्रि-अनुसूया के पुत्र थे, तुरंत क्रोध करना और शाप दे देना इनका स्वभाव बन गया था।

दुर्विकसन पुं. (तत्.) बुरा विकास, किसी उतक का असामान्य विकास, जैसा प्रायः कैंसर में होता है।

दुर्विगाह्य वि. (तत्.) जो इतना गहरा हो कि उसकी थाह पाना कठिन हो।